

ज्ञान मंथन

- 1) देश के किस शहर में 1500 से ज्यादा लोगों ने एक साथ तबला बजाकर गीनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है ?
- 2) सदीर किस नृत्य शैली का प्राचीन नाम है ?
- 3) किस देश ने एडवांस रॉकेट सिस्टम फ़ाइ-11 का हाल ही में सफल परीक्षण किया है ?
- 4) एशिया का सबसे बड़ा मरुस्थल कौन-सा है ?
- 5) अंतर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ के गर्वियन बोर्ड की पहली भारतीय महिला सदस्य हाल ही में कौन बनी है ?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)



उत्तर माला

- (1) ग्वालियर (2) भरतनाट्यम (3) पाकिस्तान (4) गोबी
(मंगोलिया) (5) वीटा दानी

जिला पंचायत सदस्यों का आरक्षण तय एक बार पुनः महेंद्र यादव की दावेदारी मजबूत हुई



या सामान्य वर्ग आता हे तो जिला पंचायत के कदाचर नेता मोहंनर यावक की अध्यक्ष पद के लिए प्रखल दावेदारी रहेगी मोहंनर यावक ने पिछले बार जिला पंचायत उपाध्यक्ष की दावेदारी की थी लेकिन भाजपा की चाक चौबंद व्यवस्था के चलते वह मातु खा गए लेकिन अब इस बार सीनियरिटी की अगर देखा जाए तो जिला पंचायत में सर्वाधिक सीनियर नेता हे मोहंनर यावक इस क्षेत्र में जिस हिसाब से उनकी पकड़ हे वह सौट तो आसानी से जीत जाएंगे इस हिसाब से उनकी जिला पंचायत अध्यक्ष के लिए दावेदारी स्वतः ही बनती हे।

**कृषक उन्नति योजना से किसानों के जीवन में
आ रही समृद्धि एवं खुशहाली**

[illegible]

मोक्षधाम सांकरदाहरा में तीन नदी शिवनाथ, डालाकस एवं कुरुनाला का संगम, नदी के तट पर शंकर भगवान की विशालकाय मूर्ति दर्शनीय



राजमन्यायः। राजमन्यायः तिले के दोहराये गये विषाख-संकेत प्रियतम प्रियतमादौ छिन्महादेव का द्वारा उज्जिम नमः सौम्य । मोक्षमप्यसंकरादौ मन्त्राणां विषाखः । ग्राम देवतां चो सीमा सः शिवमन्यत तन् प्रज्वालति होतः । महादेवः के कोट्युपे सः निष्कलक अन्वयाह्वयं नीकी होतः ग्राम सांकरादौ कल पहुंचतः । सांकरादौ के पहले डाकासि मन्त्रं उपे कुंजनादा तन् मिलतः । अतः तीन पदार्थों का संगत होतः । सांकरादौ के पाने नदी तीन पाषाणों में बत जातः । अतः सांकरादौ के नीके आसप में मिल जातः । यात्रियों को मंदिर दर्शन करके तिल नीकी विहार को पहुंचावतः । नदी के तट पर मंदिर तथा संकः भूषावतः को विशाखायक मन्त्र द्वातीनः । अतः सांकरादौ के पाने तवा नदी के तट पर मंदिर का द्रुष्य मन्मोक्षः उपे गमयितः । सांकरादौ में छिन्महादेव को अन्वया महादेव उपे भयभरदरे से लोतः अपने पुंस्वी को लोतः विषाखः प्रकटने से लोतः अपने सांकरादौ में पाने ६ वयं से महाविजयितः के अन्वसर पर तीता विरययि विहाल मते का आयोजन किया जातः । विरसे शिवायक मते तिले द्वा-द्वारा से बड़ी संधी में प्रदलत पहुंचतः । नदी के



नदी के तट पर मंदिर का दृश्य
मनमोहक एवं रमणीय

सांकरदाहारा में महाशिवरात्रि के
अवसर पर विशाल मेले
का आयोजन

भाषा भाषाभाषा मंदिर एव ३२ कोटी
मंदिर भाषाभाषा को मुक्ति एव मंदिर
मंदिर ऐतिहासिक एव आध्यात्मिक
महत्त्वपूर्ण है। निम्न के त्रय मां भाषा
भाषा भाषा, सीता-मां लक्ष्मण एव गुरु
भाषा, भाषा भाषा, बुद्ध-भाषा, भाषा-
भाषा भाषा, परमेश्वर भाषा, सीता मां
भाषा भाषा, दुर्गा भाषा, राक्षस भाषा
भाषा भाषा-वैष्णवों को मंदिर है, जो
भाषा को देखी-वैष्णवों को मंदिर है, जो
भाषा को देखी-साक्षात् देवता एव
भाषा को निर्माण किया गया है, जहाँ
भाषा को आद्योत्पत्ति जाता है।

नामगढ़ राजा एलिया का निर्माण किया गया है, जिससे वह हमें हमेशा जगत् बना रहा है। यहां मुण्डन कार्य एवं पिण्डदान के लिए पूरी व्यवस्था है। ब्रह्मादीनों को सुविधा के लिए पुनः सामग्री उपलब्ध एवं दुकानों का संचालन हो रहा है, जहां जिससे स्थानीय लोगों को चले जायेंगे। दूसरे दिन रात बंद पड़े जायेंगे, तो सांस्कृतिक अग्रदूत हो जाया करता था और दारुण के पास जाते पड़ता होता था कि सांस्कृतिक दान में प्रवेश करा गया है। तेरे में दसका निवेश दिखाई पड़ता था इसलिए रात बंद स्थान का नाम सांस्कृतिकराष्ट्र पड़ा। वर्ष 1978 में लगभग 14 गांव के लोगों द्वारा मिमिकरा सांस्कृतिक समिति बनाई गई है। समिति द्वारा विभिन्न आयोजन सामान-समय पर किए जाते हैं। सांस्कृतिकराष्ट्र को मिलाए एवं प्रसिद्धि आधारी के अनुसार वर्ष 1950 में नाम मोड़हू को कन्नड़ मिलाया गया। एक ही एकांतिक करने में आती थी। बुरातना

नामकया - सांस्कृतिक परंपराओं के अंतर्गत नदी का मध्य भाग को ग्राह्य (गृह्य जन्मभारत) के नीचे एक गहरा गड्ढा बनाया जाता है। जिसे शतवती देवी नाम से ग्राह्य देवी के रूप में पूजा की जाती है। नदी के एक एक गुण है, जब देवी को होकर मध्य कभी-कभी लोहा मिला जाता है। उसे खींचते हुए पाँच को घेर कर दु लाने के बाद उसका क कुछ धर लाने के बाद उसका प उसे वही पर छोड़ कर धर

अमन ब्रज नामदेव प्रदेश सहमंत्री व धनंजय पांडेय बने प्रदेश कार्यसमिति सदस्य

राजानंदराय (नंदराय ठाडूम) : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की प्रमुख प्रेरणा का स्रोत। उनकी अध्यक्षता में 3 - 5 जनवरी को स्वतंत्रता सेनानी राजानंदराय जिले के आचार्य श्री धामायाम नगर में सम्मेलन हुआ। इस अधिवेशन में शुभाभूषण ध्वजारोह एवं नटद्वन्द्वन से काँया गया, इस के मुख्य अतिथि विद्यार्थीमाध्यम अध्यक्ष डॉ. नरसिंह एवं विजिष्ठा अधिपति आभाषण के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ आरती शर्मा (डॉ.बी.बी.ए.ई.) एवं अधिवेशन में दो विषय पर भाषण स्व. हुआ जिसमें आभाषण के राष्ट्रीय सह संयोजन मोती देवराट जोशी ने आभाषण की विधि का वर्णन किया। इस अधिवेशन के विषय पर हुआ हल्ला कि आभाषण के कार्यक्रम में भी अपने व्यक्तित्व का प्रयोग या पारिवारिक कार्य के लिये कर्म



प्रायवर्षी के कारकता सामने नहीं आते अगर तू तू विद्याधिपति और समाज के क्षेत्रीय को लेकर आते हैं। वहीं आभाषित के प्रशंसी संतान में सुखड्डिया जैने एक जग एक राष्ट्र एक संस्कृति विषय पर भाषण देते हुए कहा कि महात्म में लगते तुम हम नहीं देखते है कि बालू में कं जालि के लोग है, हम सभी सनानी एक है इस में ? इस अर्थव्यवस्था में तीन विषय पर प्रस्तावना 'वर्माना संरक्षण कर्तव्य' दूसरा प्रस्ताव 'सिमा प्रस्ताव' 'प्रायवर्ष संरक्षण एक चुनौती' इस प्रकारका ओं ओम के ध्वनि से अपनी सहमति देत किया।

डुबकी लगाते हैं ?। इस अधिवेशन में तीन विषय पर प्रस्ताव गए, पहला प्रस्ताव 'वर्तमान शैक्षणिक परिदृश्य', दूसरा प्रस्ताव 'परिदृश्य' एवं तीसरा प्रस्ताव 'पर्यावरण संरक्षण एक चुनौती' इन प्रस्ताव को सभी कार्यकर्ताओं ओम के ध्वनि से अपनी सहमति देकर प्रस्ताव को पारित किया।

दस दिवसीय इंग्लिश प्रशिक्षण
————— (—————) —————

राजनंदागांव (नांदगांव टाडमस)
राजनंदागांव के ब्लॉक - डोंगरगांव
छुरिया, डोंगरगाड़ से इंग्लिश व्याख्याताओं
ने ईस्टवुड ऑफ एडवॉंस स्टडीज इन
एजुकेशनबिलासपुर से दस दिवसीय
इंग्लिश प्रशिक्षण दिनांक 09.12.24 से 18
सुश्री ममता विश्वकर्मा (प्रभारी प्राचार्य)
विनेशा साहू, हाथर से केंड्री स्कूल बेल
सेकेंड्री स्कूल करमतरा, श्री धर्मेन्द्र कु
स्कूल जोब, श्री प्रियंका बोरकर हाई स्
हाई स्कूल वारानाकला, श्री मंगलदा
पिनकापार, श्री कमलेश कुमार देवदास
शामिल हुए।



23वीं राज्य स्तरीय बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता 2025 आयोजन किया गया

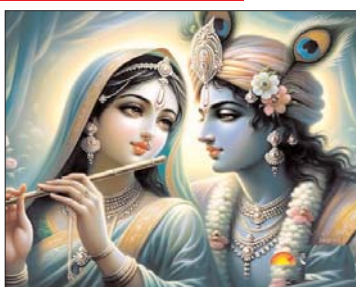
[illegible]

प्राण कुमार सिंह (बघपुर), 70 किलो
मन में प्रथम स्थान अवधि अत्यन्त
द्वितीय स्थान पर दुःख स्मरण
तृतीय स्थान मनीष कुमार रजक
5 किलो प्राण वजन रखने में प्रथम
सहसाद यादव (जाँगीर), द्वितीय स्थान
मोहता मापपुर), तृतीय स्थान सजन
80 किलो प्राण वजन रखने में प्रथम
दर राव (विलासपुर), द्वितीय स्थान

[illegible]

धर्म समाचार....

धर्मोत्तर है कि ज्ञान के पालनरत भगवान् कृष्ण और राधा की पूजा करते हैं। यह भक्तमार्गात् प्रती होता है। साथ ही जीवन में बुद्धिमान् को आग्रह होता है। साथ ही सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। राधा की रक्षा में रहने वाले सत्पाकों को मृत्यु उत्पन्न करती प्रती होती है। इसके अलावा भगवान् कृष्ण को कृपा भी बरसती है। यह साल भगवत्परा कर्म के बलुप्त रूप को समनी त्रिष्टि के अन्तर्ले राधा अष्टमी माने जाती है। इस पूजा अवसर पर राधा की रक्षा को जाती है। साथ ही मन्वावलिष्ठ रूप को प्रसिद्ध के लिए दत्त है। सुख और सौभाग्य को देवी माँ कृष्ण की पूजा करते हैं यह मनोनामा प्रती होती है। सास ही जीवन में नरसंसार होता है। राधा की रक्षा में भक्त उन्हें कृष्ण मानते हैं। समनत सत्पाकों में निहित है कि राधा की द्वापर युग को समकालीन थी। उन्हें ज्ञान के पालनरत भगवान् कृष्ण की संगिनी भी कहा जाता है। हलाँकि, राधा की पूजा और कृष्ण ही राधा हैं। इनमें एक नाम कई नामों से जाना जाता है। इपने एक नाम कर्करी राधा है। लेकिन कृष्ण



आपको पता है कि कबों राधा रानी को किशोरी भी कहा जाता है ? आइए, इसकी कथा जानते हैं-

कथा- ऋषि कण्डोड़ और सुजाता के पुत्र अश्वत्थक ने अश्वत्थक गीता की रचना की है। इस ग्रंथ के माध्यम से अश्वत्थक ने भक्ति, ज्ञान, वैराग्य और मुक्ति का वर्णन विस्तारपूर्वक किया है। हालाँकि, उनके यह ज्ञान विरासत से मिली थी। कहते हैं कि माँ के मरण में रहते के दौरान अश्वत्थक को शास्त्र का ज्ञान हुआ था। इस दौरान अश्वत्थक ने अपने पिता को शास्त्र पर ज्ञान देने और गलत पाठन करने के लिए रोका भी था।

क्यों सुख और समृद्धि की देवी राधा रानी को कहा जाता है किशोरी जी?

यह सुन सब कहो नारायण में आये थे। इस समय ब्रह्म कोहोते हैं मुझा के गण में पनर रहे पूरा को मुझा में देदी होत है। अहंकार दे दिया। काहलनर में मुझा के गण में से आया का जन्म मुझा का। अहंकार से आयावक बरसात गये। अहंकार मुझा के गण में से आये पिया को जीवित किया। हा एक बार मुझा है कि अहंकार बरसात गये। वे ब्रह्म, अहंकार के रूप को देख गये हनेन लेये थे। अपने ऊपर अहंकार हनेन लोगों को अहंकार ने योगा शक्ति के माध्यम से पत्थर बना दिया। अहंकार समय भावना कृष्ण और राधा रानी की उत्पत्ति है। राधा रानी की मुकुटने रानी है। यह देख अहंकार कृष्ण को डेते। यह भावना कृष्ण ने कहा कि अहंकार राधा रानी की मुकुटने की बजाय बना दी। यह अहंकार ने राधा रानी से मुकुटने की ओर अहंकार, तो श्री कृष्ण बोले— मैं तो आपमें जन्म के पत्थरवाह मुझा मुकुटने रही हूँ। यह पूरा अहंकार प्रकृत हो गये। उन्हेन राधा रानी को दास्य किशोरी राधा को बना दिया। अहंकार लिए राधा रानी को किशोरी श्री कृष्ण बना जना है।

कब है गूड़ी पड़वा? नोट करें शुभ मुहूर्त एवं योग

ज्योतिषियों की मान्यता है कि चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि के दिन ज्ञात बननी मां दुर्गा की पूजा करने से साधक को हर मनोकामना पूर्ण होती है। साधु भी जीवन में अग्राह्य सभी संकटों से मुक्ति मिलती है। ममतानाथों की दुर्गा की मूर्तियां अर्पणपर हैं। मां दुर्गा को पूजा भजनाई पर रास्ताही हो सकती है साधक के सुख और योग्यता में सुदृढ होती है। हर साधक चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को गुड्डि पड़वा मनाया जाता है। इस तिथि से हिन्दू नववर्ष शुरू होता है। यह वर्ष देश के कई राज्यों में धूमधाम से मनाया जाता है। गुड्डि पड़वा को वर्ष भरतारुण में धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन से चैत्र नवरात्र की शुरुवात होती है। चैत्र नवरात्र के दौरान ज्ञात बननी मां दुर्गा के ही रूपों को पूजा की जाती है। साधक भी इस पूजा के माध्यम से अपने मनोकामना पूर्ण कर सकते हैं। चैत्र नवरात्र की तिथि के दिन गुड्डि पड़वा मनाया जाता है। गुड्डि पड़वा की पूजा भी इस शुक्ल पक्ष के शुक्ल तिथि के दिन की जाती है। मारुते मारुते दुर्गा अर्पण परे पर गुड्डि पड़वा मनाया जाता है। साधु भी इसका ध्यान रखें। गुड्डि पड़वा को शुक्ल पक्ष पर एतिय ज्ञात है शुभ रात्रि- ज्योतिषियों की मान्यता है चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि 29 मार्च को संक्रमांक 29 मार्च 27 मिनट पर शुरू होती है। 30 मार्च को पड़वा 12 बजकर 49 मिनट पर समाप्त होती। समतान वर्ष में उदय तिथि होती है। अतः 30 मार्च को पड़वा मनाया जाएगा।

हुद योग गुड्डि पड़वा के दिन हुद योग की मूर्तिमति रहती है। इस योग को संयोग नाम 05 बजकर 54 मिनट तक है। इस योग में 30 मार्च बजकर 5 मिनट तक की मूर्तिमति रहती है। साधु भी हुदम रत को आचार्योपदेश करती है। इस शुभ अवसर पर सार्वभौम सिद्धि योग 30 मार्च 12 मिनट तक है। सार्वभौम सिद्धि योग नाम 04 बजकर 35 मिनट से लेकर 31 मार्च को सुबह 06 बजकर 35 मिनट तक रह है।



